कृषक महिला समाचार
ICAR-CIWA NEWS

October 2016 - March 2017 Vol. 10 (2) अक्तूबर 2016 - मार्च 2017 खंड १० (२)

From Director's Desk....

This half yearly period was momentous for the Institute, through international linkage with IRRI, Philippines, inter-institutional HRD programmes, celebration of National Days and collaborative workshops, in addition to its regular research programmes, outreach activities, and brainstorming sessions. During this period, a training programme on "Women Leadership for Impact" was organized in association with IRRI. A workshop on "Gender Responsive Budgeting" was conducted with the collaboration of National Institute of Financial Management, Faridabad. A two days Training-cum-Workshop on "Trends in Gender Research" was organized for the Scientists of this Institute and AICRP on Home Science, in which eminent experts like Dr. Vinita Sharma (Chairman, RAC, ICAR-CIWA), Dr. V.V. Sadamate (Ex-Adviser, Agriculture, Planning Commission) and Dr. B. N. Sadangi (Emeritus Scientist, ICAR-CIWA) graced the occasion to give their valuable inputs to finalize the new project proposals. Two ICAR Sponsored Short Courses and two Model Training Courses were also organized during this period. The Institute celebrated its Foundation Day on 17 February, 2017. On this occasion, Hon'ble Secretary (DARE) & Director General (ICAR), Dr. Trilochan Mohapatra was the Chief Guest. Dr. N. S. Rathore, Deputy Director General (Agriculture Education), Dr. A. K. Singh, Deputy Director General (Agriculture Extension), Dr. S. Pasupalak, Vice- Chancellor (OUAT, Bhubaneswar), and Directors of other ICAR Institutes also graced the occasion. The logo and the newly designed website of ICAR-CIWA were launched on this occasion. Various National Days such as Women in Agriculture Day, National Science Day, International Women's Day, World Food Day, Jai Kisan Jai Vigyan Week, National Productivity Week and Vigilance Awareness Week were also celebrated with fervour. The XXII Biennial Workshop of All India Coordinated Research Project on Home Science and the Brainstorming workshop on "Promoting Agricultural Education among Rural Women for Entrepreneurship Development" were also organized. Two millet processing units were also established by ICAR-CIWA at tribal villages of Koraput district, commemorating the occasion of International Women's Day. The Mera Gaon Mera Gaurav and Swachh Bharat Abhiyan programmes were observed during the period with great vigour and enthusiasm by the ICAR-CIWA family with various on and off campus activities. As part of the ongoing 'National Sanitation Campaign', 'Swachhta Pakhwada 2016' celebrations were observed during 16-31 October, 2016. The Institute also had the proud privilege of the participation of Shri. Chhabilendra Roul, Additional Secretary (DARE) and Secretary (ICAR) in the Swachhta Pakhwada activities on 24 October, 2016.

Jatinder Kishtwaria

निदेशक की कलम से....

यह अवधि संस्थान के लिए अत्यधिक ऊर्जावान रही। इस दौरान आईआरआरआई, फिलीपाइंस से अंतरराष्ट्रीय सम्पर्क हुआ, अंतर-संस्थागत एचआरडी कार्यक्रम आयोजित हुए, राष्ट्रीय दिवसों व सामूहिक कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। ये कार्यक्रम संस्थान के नियमित अनुसंधान कार्यक्रमों, आउटरीच गतिविधियों व विचार मंथन सत्रों के अतिरिक्त आयोजित हुए थे। इस अवधि के दौरान आईआरआरआई के सहयोग से प्रभाव के लिए महिला नेतृत्व विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध संस्थान, फरीदाबाद के सहयोग से जेंडर अनुक्रियाशील बजटीकरण पर एक कार्यशाला आयोजित हुई। इस संस्थान तथा गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी के वैज्ञानिकों के लिए 'जेंडर अनुसंधान में प्रवृतियां विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें अनेक प्रतिष्ठित विशेषज्ञों जैसे डॉ. विनीता शर्मा (अध्यक्ष, आरएसी, भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं.), डॉ. वी. वी. सदामते (पूर्व-परामर्शक, कृषि, योजना आयोग) तथा डाँ. बी. एन. सदांगी (सेवानिवृत्त वैज्ञानिक), ने भाग लेकर नए परियोजना प्रस्तावों को अंतिम रुप देने में अपना-अपना बहुमूल्य योगदान दिया। इस अवधि के दौरान दो भा.कृ.अनु.प. द्वारा प्रायोजित लघु पाठ्यक्रम व दो मॉडल प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित हुए। संस्थान ने 17 फरवरी, 2017 को अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर माननीय सचिव (डेयर) तथा महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.), डॉ. त्रिलोचन महापात्र, नई दिल्ली मुख्य अतिथि थे। डॉ. एन. एस. राठौर, उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा), डॉ. ए.के.सिंह, उपमहानिदेशक (कृषि विस्तार), डॉ. एस. पशुपालक, कुलपति (ओयूएटी), भुवनेश्वर व भा.कृ.अनु.प. के अन्य संस्थानों के निदेशकों ने भी उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर भा.कृ.अनु.प. -के.कृ.म.सं.का प्रतीक चिन्ह और नई डिजाइन की गई वेब साइट का भी शुभारंभ हुआ। विभिन्न राष्ट्रीय दिवसों जैसे कृषिरत महिला दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, विश्व खाद्य दिवस, जय किसान जय विज्ञान सप्ताह, राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह व सतर्कता जागरुकता सप्ताह भी बड़े उत्साह से मनाए गए। गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 22वीं द्विवार्षिक कार्यशाला और 'उद्यमशीलता के विकास हेतु ग्रामीण महिलाओं में कृषि शिक्षा का प्रवर्धन' विषय पर एक विचारमंथन कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कोरापुट जिले के आदिवासी गांवों में मोटा अनाज प्रसंस्करण की 2 इकाइयां भी स्थापित की गईं। भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. परिवार द्‌वारा परिसर पर और परिसर से इतर गतिविधियों के अंतर्गत इस अवधि के दौरान 'मेरा गांव मेरा गौरव' और 'स्वच्छ भारत अभियान' कार्यक्रम भी अत्याधिक उत्साहपूर्वक आयोजित किए गए। 'राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान' के एक अंग के रूप में 16-31 अक्तूबर, 2016 की अवधि के दौरान 'स्वच्छता पखवाड़ा 2016 का आयोजन भी हुआ। संस्थान को गर्व है कि 24 अक्तूबर, 2016 को आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा की गतिविधियों में श्री छबिलेन्द्र राउल, अपर सचिव (डेयर) और सचिव (भा.कृ.अनु.प.) ने भी भाग लिया।

जतिन्दर किशतवारिया

RESEARCH HIGHLIGHTS

Project: Development and Testing of Institutional Innovations for Empowering Women in Agriculture

Media Meet workshop was organized for 17 media personnel on "Reaching Farm Women through Media" on 4 January, 2017. A three days training cum demonstration was organised on Oyster Mushroom cultivation on 23 December, 2016, 10 January, 2017 and on 20 January, 2017 respectively for farm women (183) at ICAR-CIWA. Seeds/seedlings of Banana (G-9), Lime (Gooty Kalim), Drumstick (PKM-1), Papaya (Red Lady), Palak and Amaranthus were distributed to farmwomen for establishment of kitchen gardens in their backyards. The women were made aware about the different garden tools and equipments like hand hoe, hand cultivator, khurpi and rose can. A Gender Based Dialogues in India as sensitizing material to sensitize researchers, policy makers, developmental workers and general public was published under the project. For outreach of women friendly technologies, a radio program in Odia with the focused theme on "Unnati Pathare Krushi Mahila" was launched in collaboration with Indian Institute of Education and Care (IIEC) and Radio Surabhi on 14 February, 2017. A mobile voice message program in collaboration with Reliance Foundation was also launched on 08 March, 2017.

Project: Engendering Finger Millet based Value Chains for Promoting Livelihood Opportunities of Farmwomen: ICAR-CIWA established Millet Processing Units in Tribal Villages of Koraput district

Two millet processing units were established by ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar at tribal villages of Koraput district. The units were established at the tribal villages viz., Luhaba Maliput and Muliaput in Semiliguda and Nandapur blocks of Koraput district on 8 March, 2017, commemorating the occasion of International Women's Day.

As part of the Institute's project on "Engendering Finger Millet based Value Chains for Promoting Livelihood Opportunities of Farmwomen", the gender roles in finger millet based value chains and the constraints faced by women in existing finger millet value chains were studied. During the study, it could be observed that along the value chain, women were found only as

अनुसंधान उपलब्धियां

परियोजना: कृषि में महिलाओं के सशिक्तकरण के लिए संस्थागत नवोन्मेषों का विकास एवं परीक्षण

दिनांक ४ जनवरी, 2017 को 17 मीडिया कर्मियों के लिए 'मीडिया के माध्यम से फार्म महिलाओं तक पहुंचना' विषय पर एक मीडिया संमेलन कार्यशाला आयोजित की गई। दिनांक 23 दिसम्बर, 2016 10 जनवरी, 2017 और 20 जनवरी, 2017 को क्रमश: भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. में फार्म महिलाओं (183) के लिए खुम्बी की खेती पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण एवं विधि प्रदर्शन का ओयोजन किया गया। घर के पिछवाड़े गृह वाटिकाएं लगाने के लिए केले (जी-9), नींबू (गूटी कालिम), सहजन (पीकेएम-1, पपीते (रेड लेडी), पालक तथा चौलाई के बीज/कलमें भी फार्म महिलाओं को बांटी गईं। महिलाओं को बागवानी संबंधी विभिन्न औजारों और उपस्करों जैसे दस्तो हो, दस्ती कल्टीवेटर, खुरपी तथा सिंचाई के लिए फव्वारे आदि से अवगत कराया गया। परियोजना के अंतर्गत अनुसंधानकर्ताओं, नीति-निर्माताओं, विकास कर्मियों एवं जन-सामान्य को संवेदनशील बनाने के लिए भारत में जेंडर आधारित संवाद शीर्षक का प्रकाशन भी निकाला गया। महिलाओं के लिए अनुकूल प्रौद्योगिकियों तक उनकी पहुंच बनाने के लिए 14 फरवरी, 2017 को भारतीय शिक्षा एवं देखभाल संस्थान (आईआईईसी) तथा रेडियो सुरभि के सहयोग से 'उन्नति पथारे कृषि महिला' मुख्य विषय पर उडिया भाषा में एक रेडियो कार्यक्रम शुरू किया गया। रिलायंस फाउंडेशन के साथ 8 मार्च, 2017 को मोबाइल वॉइस मैसेज कार्यक्रम की भी शुरूआत हुई।

परियोजना: फार्म महिलाओं के लिए आजीविका के अवसर बढ़ाने हेतु रागी आधारित मूल्य श्रृंखलाएं: भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. द्वारा कोरापूट जिले के आदिवासी गांवों में मोटा अनाज प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा कोरापुट जिले के आदिवासी गांव में मोटे अनाजों के प्रसंस्करण के लिए दो इकाइयां स्थापित की गईं। ये इकाइयां आदिवासी गांवों जैसे कोरापुट के सेमिलीगुड़ा और नंदपुर ब्लॉकों के लुहाबा मलिपुट और मुलियापुट में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8मार्च, 2017 को स्थापित की गई।

फार्म महिलाओं के आजीविका के अवसरों के प्रवर्धन हेतु रागी आधारित मूल्य श्रृंखलाओं में जेंडर संवेदीकरण' पर संस्थान की परियोजना के अंग के रूप में रागी स संबंधित विद्वमान मूल्य श्रृंखलाओं में महिलाओं द्वारा जिन समस्याओं का सामना किया जा रहा है तथा कंगनी आधारित मूल्य श्रृंखलाओं में जेंडर की भूमिकाओं पर अध्ययन किए गए। अध्ययन के दौरान यह देखा जा सकता था कि मूल्य श्रृंखला के साथ-साथ केवल महिलाएं ही किसानों, छोटे

Unit established at the tribal village Luhaba Maliput

farmers, petty traders and labourers in processing units. However, under this project, the entry points for women in finger millet value chain were identified, and the women SHGs in these two villages were mobilized into two clusters. They were provided with machineries such as millet pulverizer, digital weighing machine, hot sealing machine for packaging and other raw materials such as polythene packaging materials to start the enterprise with making of ragi flour. The machineries provided could help them in making not only the flour of finger millet, but of other millets and turmeric too. The units established can help the clusters of women SHGs to enhance their livelihood by getting an increase of about 50% in their marketing margin by value addition to finger millet, specifically by making ragi flour.

व्यापारियों व श्रमिकों के रूप में प्रसंस्करण इकाइयों में कार्यरत थीं। तथापि, कंगनी की मूल्य श्रृंखलाओं में महिलाओं के लिए इस परियोजना के अंतर्गत प्रवेश के अवसरों की पहचान की गई तथा इन दो गांवों में महिला स्वयं सहायता समूहों को दो क्लस्टरों में गतिशील बनाया गया। उन्हें मोटे अनाज पीसने की चक्की, डिजिटल तुलाई मशीन, गर्म सील बंदी का यंत्र (पैकेजिंग के लिए) तथा कुछ अन्य कच्ची सामग्री जैसे पॉलीथीन की पैकिंग सामग्री और उद्यम शुरु करने के लिए रागी का आटा उपलब्ध कराया गया। उन्हें जो यंत्र उपलब्ध कराए गए हैं उससे वे न केवल रागी का आटा तैयार कर सकेंगी बल्कि अन्य मोटे अनाजों का आटा और यहां तक कि हल्दी का चूर्ण भी तैयार कर सकेंगीं। स्थापित की गई इकाइयों से महिला स्वयं सहायता समूहों को रागी के मूल्यवर्धन, विशेष रूप से रागी का आटा बनाकर उसका मूल्यवर्धन करते हुए अपने विपणन मार्जिन को लगभग 50 प्रतिशत बढ़ाते हुए आजीविका में वृद्धि की जा सकती है।

MAJOR EVENTS

Workshop on Gender Responsive Budgeting

A two-days National Level Sensitization Workshop on "Gender Responsive Budgeting" was conducted during 5 - 6 October, 2016 at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar. About 50 participants from different fields working towards gender responsive budgeting in India had participated in the program. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA was the Chief Guest of the event who threw light on the intensity of the Gender Budgeting as a powerful tool for achieving gender mainstreaming. Eminent scientists and experts such as Dr. Shikha Mathur, Dr. Reetu Sharma, Dr. Diksha and Dr. Sudeshna Sen from Nodal Centre for Women Development & Gender Studies, National Institute of Financial Management, Faridabad contributed

मुख्य गतिविधियां

जेंडर अनुक्रियाशील बजटीकरण पर कार्यशाला

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 5-6 अक्तूबर, 2016को जेंडर अनुक्रियाशील बजटीकरण' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की चेतना कार्यशाला का आयोजन किया गया। भारत में जेंडर अनुक्रियाशील बजटीकरण पर कार्य कर रहे विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 50प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं. इस अवसर पर मुख्य अतिथि थीं। जिन्होंने जेंडर मुख्य धारा प्राप्त करने के लिए एक सशक्त युक्ति के रूप में जेंडर बजटीकरण की गहनता पर प्रकाश डाला। प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों जैसे डॉ. शिखा माथुर, डॉ. ऋतु शर्मा, डॉ. दीक्षा और डॉ. सुदेशना सेन, महिला विकास एवं जेंडर अध्ययनों के लिए नोडल केन्द्र, राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान, फरीदाबाद ने इसमें भाग लेकर जेंडर बजटीकरण, आवश्यकता का मूल्यांकन, बजट तैयार

immensely in putting forth their ideas regarding gender budgeting, need assessment, budget making process and identifying gender issues using GB checklist etc.

The Women Leadership for Impact Course

A Training Programme was organized on "Women Leadership for Impact" during 21-27 October, 2016 by International Rice Research Institute, Philippines at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar. Representatives from different NGOs working towards agriculture and livelihood in Odisha participated in the programme. It was a very educative event in which 20 women leaders participated and shared their varied experiences for building the women leadership. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA delivered the welcome address and Dr. Myriam Morgenstein, IRRI, initiated the programme after offering opening remarks. Eminent Scientists and experts from different Institutes such as Dr. Ahmad Salahuddin, Access Agriculture, Dr. Poornima Shankar, IRRI (India Office), Dr. Jatinder Kishtwaria, Dr. Sabita Mishra and Dr. Jyoti Nayak of ICAR-CIWA, Dr. Tushar Nayak, MSSRF, Mr. Suryakanta Khadai and Ms. Bharti, IRRI, Ms. Ronali Pradhan, Digital Green and Mr. Dibyakanta, Reliance Foundation contributed immensely in putting forth their ideas regarding empowerment and leadership issues of women in agriculture, women friendly technology, business principles and models for agriculture, nature of leadership, the art of listening, finance and accountancy, SWOT analysis, positive deviants, extension methods for scaling up impact, self awareness and priorities of rural women and men in agriculture etc. There was a great synergy created when all these persons came together to talk about and churn out skills for leadership to ensure that the benefits of development to reach women as much as men.

Training-cum-Workshop on "Trends in Gender Research"

A two-days Training-cum-Workshop on "Trends in Gender Research" for Scientists of ICAR-CIWA and AICRP on Home Science was organised in two phases, from 15-16 November, 2016 and 26-27 November, 2016 under the chairmanship of Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA. Eminent experts like Dr. Vinita Sharma (Chairman, RAC, ICAR-CIWA), Dr. Mushtari Begum (Retd. Prof., Food & Nutrition, UAS, Bengaluru), Dr. V. V. Sadamate (Ex-Adviser, Planning

करने की प्रक्रिया, जीबी चैक लिस्ट का उपयोग करके जेंडर संबंधी मुद्दों की पहचान जैसे मुद्दों पर अपने अमूल्य विचार व्यक्त करते हुए अत्याधिक योगदान दिया।

महिला नेतृत्व के लिए प्रभाव पाठ्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, फिलीपाइंस द्वारा 21-27 अक्तूबर, 2017 को भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में महिला नेतृत्व के लिए प्रभाव पाठ्यक्रम' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ओडिशा में कृषि तथा आजीविका के क्षेत्र में विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों में कार्यरत प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया। यह एक अत्याधिक कार्यक्रम था जिसमें 20 महिलाओं ने भाग लिया तथा महिला नेतृत्व बजटीकरण पर अपने भिन्न-भिन्न अनुभवों की भागीदारी की। डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. ने स्वागत भाषण दिया तथा डॉ. मरियम मोर्गेन्सटेइन, आईआरआरआई ने प्रारंभिक टिप्पणी दिए जाने के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विभिन्न संस्थानों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों जैसे एक्सेस एग्रीकल्चर के डॉ. अहमद सलाहुद्दीन, डॉ. पूर्णिमा शंकर, आईआरआरआई (भारतीय कार्यालय), डॉ.जतिन्दर किश्तवारिया, डॉ.सबिता मिश्रा और डॉ. ज्योति नायक, भा.कृ.अनु.प. -के.कृ.म.सं. व डॉ. तुषार नायक, एमएसएसआरएफ, श्री सूर्यकांत खदाई और सुश्री भारती, आईआरआरआई, सुश्री रोनाली प्रधान, डिजिटल ग्रीन और श्री दिब्यकांत, रिलायंस फाउंडेशन ने कृषि में महिलाएं, महिलाओं के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियां, व्यापार के सिद्धंत और कृषि के लिए मॉडल, नेतृत्व की प्रकृति, सुनने की कला, वित्त एवं लेखाकरण, स्वॉट विश्लेषण, सकारात्मक विसामान्य, स्केजेंडर अप प्रभाव के लिए विस्तार विधियां, कृषि में ग्रामीण महिलाओं व पुरुषों के लिए स्वजागरुकता एवं प्राथमिकताएं जैसे विषयों पर अपने बहुमूल्य विचार रखते हुए पाठ्यक्रम में उल्लेखनीय योगदान दिया। अत्याधिक उत्साह व उत्तेजना का वातावरण तब सृजित हुआ जब ये सभी व्यक्ति एक साथ विचार व्यक्त करने को प्रस्तुत हुए तथा नेतृत्व के लिए कुशलताओं को ज्ञान करने में सफल रहे ताकि इनके लाभ महिलाओं और पुरुषों के समान विकास में लाभदायक सिद्ध हा सके।

'जेंडर अनुसंधान में प्रवृत्तियां' पर प्रशिक्षण एवं कार्यशाला

डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान की अध्यक्षता में भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान तथा गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के वैज्ञानिकों के लिए 'जेंडर अनुसंधान में प्रवृत्तियां' विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन दो प्रावस्थाओं में किया गया। पहली 15-16 नवम्बर, 2016 को और दूसरी 26-27 नवम्बर, 2016को आयोजित की गई। डॉ. विनीता शर्मा (अध्यक्ष, आरएसी, भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं.) डॉ. मुश्तारी बेगम (सेवानिवृत्त प्राध्यापक, खाद्य एवं पोषण, कृषि विज्ञान विश्वविद्याल, बंगलुरु), डॉ.वी.वी. सदामते (पूर्व परामर्शक, कृषि योजना आयोग), डॉ.के.मयूरी

Commission), Dr. K. Mayuri (Emeritus Scientist, PJTSAU, Hyderabad), Dr. Sharada Devi (Emeritus Scientist, PJTSAU, Hyderabad), Dr. B. N. Sadangi (Head, Social Science, ICAR-NRRI), Dr. Aloknath Roy (Head, ICAR-NIRJAFT), Dr. S. P. Singh (PS, FMP, ICAR-IARI), and Dr. S. K. Mohanty (Assoc. Prof., FMP, OUAT) graced the occasion to give their valuable inputs to finalize the new project proposals.

(सेवानिवृत्त वैज्ञानिक, पीजेटीएसएयू, हैदराबाद), डॉ. बी. एन. सदांगी (अध्यक्ष, समाज विज्ञान, भा.कृ.अनु.प.-एनआरआरआई), डॉ. आलोक नाथ रॉय (अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प.-एनआईआरजेएएफटी), डॉ.एस.पी.सिंह (प्रधान वैज्ञानिक, एफएमपी, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं.) और डॉ.एस.के.मोहंती (सह-प्राध्यापक, एफएमपी, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) जैसे प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने नए परियोजना प्रस्तावों को अंतिम रूप देने के लिए अपने बहुमूल्य योगदान से अवसर की शोभा बढ़ाई।

Model Training Course on 'Promoting Occupational Safety and Drudgery Reduction among Farm Women'

A Model Training Course (MTC) on 'Promoting Occupational Safety and Drudgery Reduction among Farm Women' was conducted during 3 - 10 November, 2016, which was sponsored by the Department of Agriculture and Cooperation, Directorate of Extension, New Delhi, Govt of India. Thirteen participants from Chattishgarh and Odisha attended the programme. All the participants were imparted knowledge and skill on gender perspective in agriculture, occupational health hazards, women friendly tools and equipment, anthropometrical & strength issues in design/ assessment of farm tools and equipment for women, physiological workload, drudgery issues in horticulture, seed technology etc. The inaugural session was chaired by Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA. The chief guest was Dr. P. N. Jagadev, Dean of Extension Education, OUAT, Bhubaneswar. The MTC was coordinated by Dr. Jyoti Nayak, Dr. Abha Singh and Miss. Gayatri Moharana.

'फार्म महिलाओं में व्यवसायिक सुरक्षा को बढ़ावा देने तथा श्रम में कमी लाने' पर मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

फार्म महिलाओं में व्यावसायिक सुरक्षा को बढ़ावा देने तथा श्रम में कमी लाने विषय पर 3-10 नवम्बर, 2016 तक एक मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया जिसे भारत सरकार के कृषि एवं सहकारिता विभाग के विस्तार निदेशालय, नई दिल्ली ने प्रायोजित किया था। उत्तीसगढ और ओडिशा के 13 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को कृषि में जेंडर के संदर्भ में ज्ञान एवं निपुणता, व्यावसाय से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी खतरों, महिलाओं के लिए अनुकूल औजार एवं उपकरणों, महिलाओं के लिए फार्म औजारों व उपकरणों के डिजाइन/मूल्यांकन में मानवमितीय एवं शक्ति संबंधी मुद्दों, कार्यिकीय कार्यभार, बागवानी व बीज प्रौद्योगिकी में श्रम संबंधी मुद्दों पर ज्ञान प्रदान किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ.जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने की। डॉ. पी.एन.जगदेव, विस्तार शिक्षा अधिष्ठाता, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर मुख्य अतिथि थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. ज्योति नायक, डॉ. आभा सिंह और कुमारी गायत्री महाराणा ने किया।

ICAR Sponsored Short Course on "Empowerment of Farm Women through Livestock and Poultry Interventions"

The ICAR Sponsored Short Course on "Empowerment of Farm Women through Livestock and Poultry Interventions" was organized during 21 -30 November, 2016 at ICAR-CIWA Bhubaneswar. The programme was inaugurated by the Chief guest Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA in the presence of guest of honour Dr. R. C. Patra, Dean, CVSc &AH, OUAT, Bhubaneswar. The course was organized by Dr. A. K. Panda, Principal Scientist & Course Director and Course

''पशुधन एवं कुक्कुट संबंधी उपायों के माध्यम से फार्म महिलाओं का सशक्तिकरण' पर भा.कृ.अनु.प. द्वारा प्रायोजित अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 21-30 नवम्बर, 2016 के दौरान 'पशुधन एवं कुक्कुट संबंधी उपायों के माध्यम से फार्म महिलाओं का सशक्तिकरण पर भा.कृ.अनु.प. द्वारा प्रायोजित एक अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजन डॉ. ए.के. पांडा, प्रधान वैज्ञानिक एवं पाठ्यक्रम निदेशक और पाठ्यक्रम समन्वयकों डॉ. अनिल कुमार, डॉ.बी.साहू और डॉ.तनुजा, एस. ने किया। इस

coordinators, Dr. Anil Kumar, Dr. B. Sahoo, and Dr. Tanuja, S. Eighteen participants (9 men and 9 women) from across the country participated in the short course. A total of 32 theory and practical classes were covered on various aspects like gender issues in livestock and poultry sector, food and nutritional security through animal agriculture, livelihood improvement of farm women through livestock farming, women empowerment and livelihood security through small ruminant production, etc.

Short Course on "Integrated Farming System: An Approach towards Livelihood Improvement of Farm Women and Natural Resource Conservation"

The ICAR Sponsored Short Course on "Integrated Farming System: An Approach towards Livelihood Improvement of Farm Women and Natural Resource Conservation" was organised for the agricultural research and development personnel during December 14 - 23, 2016 at ICAR-CIWA, Bhubaneswar. The programme was inaugurated by Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA, Bhubaneswar. Twelve participants (7 men and 5 women) from 5 States and 9 Disciplines participated in the short course. Twenty five experts delivered talk (Internal 15 and External 10) on different aspects of Integrated Farming Systems and Natural Resource Conservation. During the course, thirty-three (theory-25 and practical- 8) classes were conducted on various aspects like IFS and natural resource conservation: importance and concept, gender issues in agriculture especially in IFS and natural resource conservation, role of women in IFS and natural resource conservation etc. The course was organized by Course Director Dr. Naresh Babu, Principal Scientist, Course Coordinators Dr. B. Sahoo, Principal Scientist and Dr. Shivaji Dadabhau Argade, Scientist, and Core Academic Staff, Dr. J. Charles Jeeva, Senior Scientist and Dr. Laxmi Priya Sahoo, Scientist (SS).

Workshop on Reaching Farm Women through Media

A one-day Workshop on "Reaching Farm Women through Media" was conducted on 4 January, 2017 at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar. The workshop was organized under the Outreach project of ICAR-

अल्पकालीन प्रशिक्षण में देशभर के अठारह प्रतिभागियों (९ पुरुषों व ९ महिलाओं) ने भाग लिया। पाठ्यक्रम के दौरान जेंडर से संबंधित मुद्दों जैसे पशुधन व कुक्कुट क्षेत्र में जेंडर संबंधी मुद्दे, पशु कृषि या पशु पालन के माध्यम से खाद्य एवं पोषाणिक सुरक्षा, पशु पालन के माध्यम से खेतिहर महिलाओं की आजीविका में सुधार, महिला सशक्तिकरण तथा छोटे रोमांथियों के उत्पादन के माध्यम से आजीविका सुरक्षा आदि जैसे विभिन्न पहलुओं पर कुल ३२ सैद्धांतिक एवं प्रयोगात्मक कक्षाएं आरंभ की गईं।

'समन्वित कृषि प्रणाली: कृषिरत महिलाओं की आजीविका में सुधार एवं प्राकृतिक संसाधन का संरक्षण की दिशा में एक दृष्टिकोण पर अल्पकालीन पाठ्यक्रम

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में 14-23 दिसम्बर, 2016के दौरान कृषि अनुसंधान एवं विकास कार्मिकों के लिए भा.कृ.अनु.प. द्वारा प्रायोजित 'समन्वित कृषि प्रणाली: कृषिरत महिलाओं की आजीविका में सुधार एवं प्राकृतिक संसाधन का संरक्षण की दिशा में एक दृष्टिकोण विषय पर अल्पकालीन पाठ्यक्रम आयोजित संसाधन का संरक्षण की दिशा में एक दृष्टिकोण विषय पर अल्पकालीन पाठ्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर ने किया। पांच राज्यों तथा 9 विषयों के विशेषज्ञों सहित 12 प्रतिभागियों (7 पुरुषों और 5 महिलाओं) ने इस अल्पकालीन पाठ्यक्रम में भाग लिया। पच्चीस विशेषज्ञों ने ने समन्वित कृषि प्रणालियों व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिए। पाठ्यक्रम के दौरान विभिन्न पहलुओं जैसे आईएफएस और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, महत्व एवं संकल्पना, विशेष रुप से आईएफएस में कृषि से संबंधित जेंडर मुद्दे व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, आईएफएस तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में महिलाओं की भूमिका आदि पर व्याख्यान हुए। यह पाठ्यक्रम डॉ. नरेश बाबू, प्रधान वैज्ञानिक की देख-रेख में आयोजित हुआ था जो पाठ्यक्रम निदेशक थे। उनके अतिरिक्त डॉ. बी.साहू, प्रधान वैज्ञानिक और डॉ. शिवाजी दादाभाऊ अरगडे, वैज्ञानिक (पाठ्यक्रम समन्वयक) व मुख्य शैक्षणिक स्टाफ डॉ. जे. चार्ल्स जीवा, वरिष्ठ वैज्ञानिक और डॉ.लक्ष्मी प्रिया साहू, वैज्ञानिक (एसएस) ने भी इस पाठ्यक्रम के आयोजन में योगदान दिया।

मीडिया के माध्यम से फार्म महिलाओं तक पहुंचने पर कार्यशाला

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में 4 जनवरी, 2017 को 'मीडिया के माध्यम से फार्म महिलाओं तक पहुंचना' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान की आउटरीच

CIWA and comprised of representatives from different media sectors working towards empowering women in agriculture and Scientists of the Institute. Thirty participants from ICAR-CIWA and other media sectors participated. During the inaugural session, Dr. S. D. Argade, Scientist welcomed the participants followed by the presentation of programme overview by Dr Sabita Mishra, Principal Scientist and Principal Investigator of outreach project. Director, ICAR-CIWA, Dr. Jatinder Kishtwaria, delivered keynote address highlighting the need of linkage between media and ICAR-CIWA for effective transfer of technology and dissemination of information for women followed by deliberations by the delegates. Electronic and print media personnel, Bhubaneswar contributed immensely in putting forth their ideas regarding dissemination of information related to women empowerment and livelihood. Dr Sabita Mishra presented selected technologies and models developed by the Institute.

परियोजना के अंतर्गत आयोजित की गई थी और इसमें संस्थान के वैज्ञानिकों के अतिरिक्त कृषि में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में कार्यरत विभिन्न मीडिया के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान तथा अन्य मीडिया क्षेत्रों के तीस प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। उद्घाटन सत्र के दौरान डॉ. शिवाजी दादाभाऊ अरगडे, वैज्ञानिक ने प्रतिभागियों का स्वागत किया जिसके पश्चात् डॉ. सबिता मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक एवं आउटरीच परियोजना की प्रधान अन्वेषक ने कार्यक्रम के सिंहावलोकन पर प्रस्तुतीकरण दिया। डॉ.जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने मीडिया के बीच सम्पर्क पर प्रकाश डालते हुए एक मुख्य व्याख्यान दिया जिसमें महिलाओं के लिए प्रौद्योगिकी के प्रभावी हस्तांतरण व सूचना के प्रचार-प्रसार में भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान की भूमिका का उल्लेख हुआ था। इसके पश्चात् प्रतिभागियों के बीच पारस्परिक चर्चा हुई। भुवनेश्वर के इलेक्ट्रॉनिक तथा प्रिंट मीडिया के कार्मिकों ने महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका से संबंधित सूचना के प्रचार-प्रसार के मामले में विचारों को प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ.सबिता मिश्रा ने संस्थान द्वारा विकसित की गई कुछ चुनी हुई प्रौद्योगिकियों तथा मॉडलों को प्रस्तुत किया।

Model Training Course on "Strengthening Farm Women Perspective in Quality Seed Production"

Directorate of Extension (Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, New Delhi) sponsored Model Training Course on "Strengthening Farm Women Perspective in Quality Seed Production" was organised for the State Agricultural Development personnel during January 11-18, 2017 at ICAR-CIWA, Bhubaneswar. The programme was inaugurated by Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA, Bhubaneswar. The course was attended by twenty-one participants (8 men and 13 women) from 10 States. Twenty eight experts delivered lectures (Internal 14 and External 14) on different aspects of strengthening farm women perspective in quality seed production. During the course, Twenty-nine (theory- 23 and practical- 6) classes were conducted on various aspects like strategies to strengthen farm women perspective in quality seed production, present policy environment and access of farm women to seed, seed management for commercial horticulture, concepts of seed management for sustainable agriculture etc.

'गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन में कृषिरत महिलाओं के परिप्रेक्ष्य का सुदृढ़ीकरण' विषय पर मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 11-18 जनवरी 2017 के दौरान राज्य कृषि विकास कर्मियों के लिए 'गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन में कृषिरत महिलाओं के परिप्रेक्ष्य का सुदृढ़ीकरण' विषय पर मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया जिसे विस्तार निदेशालय (कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली) ने प्रायोजित किया था। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर ने किया। इस पाठ्यक्रम में 10 राज्यों से आए 21 प्रतिभागियों (8 पुरुषों और 13 महिलाओं) ने भाग लिया। अठाइस विशेषज्ञ (14 आंतरिक तथा 14 बाह्य) ने गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन में कृषिरत महिलाओं के परिप्रेक्ष्य का सुदृढ़ीकरण के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिए। पठ्यक्रम के दौरान विभिन्न पहलुओं जैसे गुणवत्तापूर्ण बीजोत्पादन, वर्तमान नीति संबंधी पर्यावरण तथा फार्म महिलाओं की बीज तक पहुंच, वाणिज्यिक बागवानी के लिए बीज प्रबंध, टिकाऊ कृषि के लिए बीज प्रबंध की संकल्पनाएं आदि पर 29 (सैद्धांतिक 23 और प्रयोगात्मक 6) कक्षाओं का आयोजन

The Committee discussed in detail the achievements of the Institute and also reviewed the progress of work made by AICRP centres during XII Plan period. The QRT members also reviewed the projects proposed to be taken up during 2017-2020 and made valuable suggestions. The meeting ended with thanks to the chair and members QRT and all associated with the meeting.

संस्थान की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की तथा १२ वीं योजना के दौरान अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के केन्द्रों द्वारा की गई प्रगति की भी समीक्षा की। क्युआरटी के सदस्यो ने 2017-2020 की अवधि के दौरान चलाई जाने वाली परियोजना के प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए उपयोगी सुझाव दिए। बैठक का समापन क्युआरटी के अध्यक्ष व सदस्यों और अन्य संबंधित महानुभावों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

CELEBRATION OF NATIONAL DAYS AND WEEK

राष्ट्रीय दिवसों एवं सप्ताहों का आयोजन

Swachhta Pakhwada

As part of the ongoing 'National Sanitation Campaign', 'Swachhta Pakhwada 2016' celebrations were observed during 16-31 October, 2016 at ICAR-CIWA, Bhubaneswar. The programme started with the Swachhta Pledge taken by all the staff on 17 October, 2016. An elocution competition on the theme "Swachh Bharat- Swasth Bharat" and a poster competition on the theme 'Clean India-Green India' were also conducted. Mass cleanliness drives were also organized around the farm lands of the Institute, in which all the staff and the farm labourers actively took part and cleaned the weeds and debris around the farms and farm roads. Further, the total farm areas and the Institute premises have been earmarked for each staff in CIWA premises and cleaning and sanitation activities were carried out regularly. Campaigns and human chains were also organized with placards highlighting clean environment. An

स्वच्छता पखवाडा

वर्तमान में चल रहे 'राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान' के एक अंग के रूप में भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 16-31 अक्तूबर, 2016 के दौरान 'स्वच्छता पखवाडा 2016' मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 17 को स्याफ के सभी सदस्यों द्वारा ली गई स्वच्छता शपथ के साथ हुआ। 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत' मुख्य विषय पर एक प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा 'स्वच्छ भारत-हरित भारत' विषय पर पोस्टर प्रतिस्पर्धा का भी आयोजन हुआ। संस्थान की फार्म भूमियों के चारों ओर स्वच्छता अभियान चलाए गए जिनमें स्टाफ के सभी सदस्यों व फार्म श्रमिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और फार्म तथा फार्म मार्ग के चारों ओर खरपतवारों तथा कचरे की सफाई की। इसके अतिरिक्त संस्थान परिसरों में प्रत्येक स्टाफ सदस्य के लिए संस्थान के परिसर को निर्धारित करते हुए कुल फार्म क्षेत्र में नियमित रूप से सफाई और स्वच्छता संबधी गतिविधियां चलाई गई। स्वच्छ पर्यावरण पर प्रकाश डालते हुए प्लेकार्डों के साथ अभियान व मानव श्रृंखलाएं

Participation of Shri. Chhabilendra Roul in the Swachhta Pakhwada celebrations

awareness programme was conducted at a vegetable market at village Jhadeswarpur in Cuttack district of Odisha on 20 October, 2016 which was co-ordinated by Dr Jyoti Nayak, Dr Abha Singh and Dr Tanuja S. Around 50 farm families attended the programme, including the village leaders and women self help group members. The Institute had the proud privilege of the participation of Shri. Chhabilendra Roul, Additional Secretary (DARE) and Secretary (ICAR) in the Swachhta Pakhwada activities on 24 October, 2016. A demonstration on composting using pot method was conducted on 26 October,

आयोजित हुई। ओडिशा के कटक जिले में झादेश्वरपुर गांव में सब्जी मंडी में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसका समन्वयन डॉ, ज्योति नायक, डॉ. आभा सिंह और डॉ. तनुजा एस. ने किया। इस कार्यक्रम में लगभग ५० फार्म परिवारों ने भाग लिया जिसमें ग्राम के नेता व स्वयं सहायता समूह के सदस्य भी शामिल थे। संस्थान को गर्व है कि इसकी स्वच्छता पखवाडा गतिविधियों के अंतर्गत 24 अक्तूबर, 2016 को श्री छबीलेन्द्र राउल, अपर सचिव (डेयर) और सचिव (भा.कृ.अनु.प.) ने भी भाग लिया। शहरी परिवारों में रसोई घर के कचरे से कम्पोस्ट बनाने के प्रति जागरूकता सृजित करने के लिए 26 अक्तुबर, 2016 को पात्र विधि का उपयोग करते हुए कम्पोस्टीकरण पर एक प्रदर्शन

2016 to create awareness about composting of kitchen wastes for urban households. An off-campus awareness programme on cleanliness, hygiene and sanitation was organized at Haridamada village in Khordha district on 27 October, 2016. About 45 farm women took part in the cleanliness drive. A sensitization programme on cleanliness, hygiene and sanitation was organized on 28 October, 2016 among the farm workers and housekeeping staff of ICAR-CIWA, in appreciation of their works, and highlighting their significant contribution in the keeping the office premises and farm lands neat and clean. A community lunch was also arranged with all the stakeholders. Programmes such as rallies and mass cleanliness drives were also organized at AICRP on Home Science Centers across the Country

World Food Day

ICAR-CIWA observed the World Food Day on October 16, 2016. The theme of the Day was 'Climate is Changing: Food and Agriculture must too'. The ICAR-CIWA together with other ICAR Institutions participated in the programme organized by Orissa Krushak Samaj in Bhubaneswar. Many Agricultural R&D stakeholders including farmers, both men and women, participated in the Programme. Among the notable personalities who attended the programme were Dr. A. K. Singh, DDG(Agril. Extn), ICAR, Dr. J. K. Jena, DDG (Fisheries Science), Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA Bhubaneswar, Dr. H. Pathak, Director, ICAR-NRRI Cuttack, Dr. Khageswar Pradhan, former Vice Chancellor, OUAT, Dr. P. C. Mohanthy, Chairman, Orissa Krushak Samaj, Mr. Guru Prasad Mohanthy and Scientists of ICAR Institutions. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA in her address highlighted the need to create awareness among women farmers about consequences of Climate Change and make them empowered to adopt new scientific practices to mitigate the adverse impact of Climate Change. On the Occasion, Dr. Jatinder Kishtwaria was conferred 'Krishi Ratna Award-2016' by Orissa Krushak Samaj for her significant contribution to Research on women in agriculture and her

आयोजित किया गया। दिनांक 27 अक्तूबर, 2016 को खोरधा जिले के हरीदमादा गांव में स्वच्छता, साफ-सफाई पर एक परिसर इतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस स्वच्छता अभियान में लगभग 45 खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया। भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के फार्म कर्मियों व हाउसकीपिंग स्टाफ के बीच स्वच्छता व साफ-सफाई के प्रति चेतना लाने के लिए 28 अक्तूबर, 2016 को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उनके कार्यों की सराहना करते हुए कार्यालय परिसर तथा फार्म भूमियों को स्वच्छ रखने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। सभी स्टेकहोल्डरो के साथ सामूहिक मध्याह्न भोजन का भी आयोजन हुआ। गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के देशभर में फैले केन्द्रों में भी अनेक कार्यक्रम जैसे रैलियां और सामूदायिक स्वच्छता अभियान आयोजित किए गए।

विश्व खाद्य दिवस

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान में 16 अक्तूबर, 2016 को विश्व खाद्य दिवस मनाया गया। इस दिवस का मुख्य विषय 'जलवायु परिवर्तित हो रही है: खाद्य और कृषि को भी परिवर्तित होना होगा' था। भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने भा.कृ.अनु.प. के अन्य संस्थानों के साथ ओडिशा कृषक समाज द्वारा भुवनेश्वर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा से जुडे अनेक स्टेक होल्डरों जिनमें महिला और पुरूष किसान भी शामिल थे, ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले उल्लेखनीय महानुभाव थे: डॉ. ए. के. सिंह, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली; डॉ. के. जेना, उप महानिदेशक (मात्स्यिकी विज्ञान), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली; डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर; डॉ. एच. पाठक, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.- एनआरआरआई, कटक; डॉ. खगेश्वर प्रधान, पूर्व कुलपति, ओयुएटी; डॉ. पी. सी. मोहंती, अध्यक्ष, ओडिशा कृषक समाज, श्री गुरु प्रसाद मोहंती एवं भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों के वैज्ञानिक. डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर ने अपने सम्बोधन में जलवायु परिवर्तन के परिणामों के बारे में खेतिहर महिलाओं के बीच जागरूकता सृजित करने व जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने कि लिए नई वैज्ञानिक विधियां अपनाने हेतु उनके सशक्तीकरण के बारे में जागरूकता सृजित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया को कृषिरत महिलाओं पर अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने तथा महिलाओं को नए ज्ञान तथा प्राद्योगिकी से सराकत करने की दिशा में किए गए उनके

consistent efforts to make women empowered with new Knowledge and Technology. ICAR-CIWA also put up an exhibition stall displaying some of the important achievements of the Institute that are useful for Women Farmers. Dignitaries and farmers who attended the programme also visited the ICAR-CIWA Stall.

Vigilance Awareness Week

ICAR-CIWA Bhubaneswar observed Vigilance Awareness Week- 2016 from 31 October to 5 November 2016 on the theme "Public participation in promoting integrity and eradicating Corruption" . Dr.(Mrs.) Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA administered the pledge to all the staff members and explained the importance of the event. Further, a talk on sensitization programs on policies/ procedure of organization was delivered by Sh. Jairam Biswal, Administrative Officer, ICAR-CIWA. Dr. S. K. Srivastava, Vigilance Officer, ICAR-CIWA also gave a sensitization presentation about 'Vigilance' on that day. Handouts on "preventive vigilance activities/ whistle blower mechanism and other anti-corruption measures" have also been distributed among the staff members.

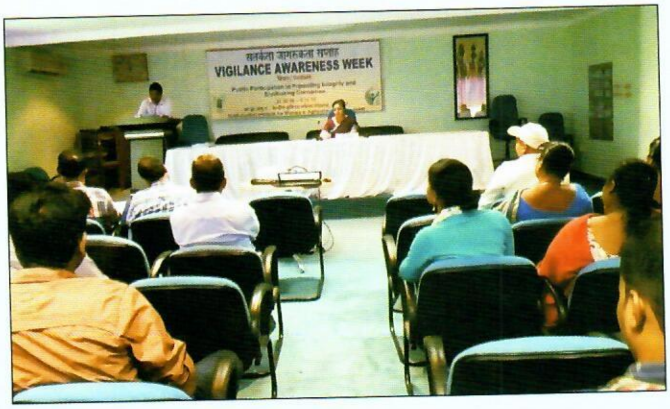

Women in Agriculture Day

ICAR-CIWA celebrated the Women in Agriculture Day in several adopted villages on 4 December, 2016. On this occasion, deliberations on role of women in agriculture and

अनवरत प्रयासों के लिए ओडिशा कृषक समाज ने 'कृषि रत्न पुरस्कार-2016' से सम्मानित किया। भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने खेतिहर महिलाओं के लिए उपयोगी संस्थान के कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी स्टॉल भी लगाया। महानुभावों तथा किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लेने के साथ-साथ भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान का स्टाल भी बहुत रुचि से देखा।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में सत्य निष्ठा को बढ़ावा देने तथा भ्रष्टाचार के अन्मूलन में जन-सामान्य की भागीदारी मुख्य विषय पर 31 अक्तूबर से 5 नवम्बर, 2016 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2016 का आयोजन किया। डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर ने स्टाफ के सदस्यों को शपथ दिलाई तथा इस घटना के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा श्री जयराम बिसवाल, प्रशासनिक अधिकारी, भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने नीतियों पर संवेदनशील कार्यक्रमों तथा आयोजन की क्रियाविधि पर एक वार्ता प्रस्तुत की और इसके साथ ही उस दिन सतर्कता के बारे में एक संवेदी प्रस्तुतीकरण दिया। बचावात्मक सतर्कता गतिविधियां/व्हीसिल ब्लोअर मैकेनिज्म तथा भ्रष्टाचार विरोधी अन्य उपायों पर हैंडआउट भी स्टाफ सदस्यों के बीच बांटे गए।

कृषिरत महिला दिवस

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 4 दिसम्बर, 2016 को गोद लिए गए अनेक गांवों में कृषि दिवस में महिलाओं के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया

allied activities were made. At village Balarampur in Athagarh Block of Cuttack district, the programme was organized by the MGMG team comprising Dr. Naresh Babu, Principal Scientist (Horticulture), Dr. Biswanath Sahoo, Principal Scientist (Animal Nutrition), Dr. J. Charles Jeeva, Senior Scientist (Ag. Extension), Ms. Gayatri Moharana, Scientist (FRM) and Shri. Sanjay Kumar Behera, Technical Assistant. In Kadua Village, Satyabadi block, Puri district, the programme was attended by 70 farm women and the programme was organized by Dr. S. K. Srivastava, Dr. Jyoti Nayak, Dr. Tanuja, S., Dr. Shivaji. D Argade, Mr Atul Chetan Hemrom and Mrs. Geeta Saha. At Khandagar Village in Barang Block of Cuttack district, 100 farmers participated in the programme which was organized by the ICAR-CIWA team of Dr. Anil Kumar, Dr. L. P. Sahoo, Dr. Ananta Sarkar and Dr. Sujit Kumar Nayak. In all the villages, awareness was also created among the school children, rural youth and farming communities about the importance of "Agricultural Education Day" and "World Soil Day 2016 : Soils and pulses, a symbiosis for life". Quiz competitions, scientist farmer interfaces and expert talks were also organized in the above villages.

गया। इस अवसर पर कृषि तथा अन्य संबंधित गतिविधियों में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा हुई। कटक जिले के आथाहगढ़ ब्लॉक के बलरामपुर गांव में एमजीएमजी दल द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें डॉ. नरेश बाबू, प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी), डॉ. विश्वनाथ साहू, प्रधान वैज्ञानिक (पशु पोषण), डॉ. जे.चार्ल्स जीवा, वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि विस्तार), सुश्री गायत्री महाराणा, वैज्ञानिक (एफआरएम) तथा श्री संजय कुमा बेहरा, तकनीकी सहायक शामिल हुए। इसी प्रकार, पुरी जिले के सत्याबादी ब्लॉक के कदुआ गांव में आयेजित कार्यक्रम में 70 खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया। यह कार्यक्रम डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, डॉ. ज्योति नायक, डॉ. तनुजा एस., डॉ.शिवाजी अरगडे, श्री अतुल चेतन हेमरम और श्रीमती गीता साहा ने आयोजित किया था। कटक जिले के बरांग ब्लॉक के खांडागर गांव में भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान दल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 100 किसानों ने भाग लिया। संस्थान के इस दल ने डॉ. अनिल कुमार, डॉ.एल.पी.साहू, डॉ.अनंत सरकार और डॉ. सुजित कुमार नायक ने मुख्य भूमिका निभाई। इन सभी गांवों में विद्यालय के छात्रों, ग्रामीण युवाओं तथा फार्मिंग समुदायों के बीच 'कृषि शिक्षा दिवस' तथा 'विश्व मृदा दिवस 2016: मृदाएं और दालें, जीवन के लिए सहजीवी' जैसे विषयों के महत्व के बारे में जागरुकता सृजित की गई। इन गांवों में प्रश्न-मंच, वैज्ञानिक व किसानों के बीच चर्चाओं तथा विशेषज्ञ वार्ताओं का भी आयेजन हुआ।

Jai Kisan Jai Vigyan Days

ICAR-CIWA, Bhubaneswar celebrated 'Jai Kisan Jai Vigyan' days during 23-25 December, 2016 to commemorate the birth anniversary of two former Prime Ministers, Shri Atal Bihari Vajpayee and Late Shri Chaudhary Charan Singh. As a part of the celebration, one outreach programme for 50 farm women was organized on 23 December, 2016 at ICAR-CIWA campus. The programme was inaugurated with the welcome address by Dr. Sabita Mishra, Principal Scientist. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA, Bhubaneswar inaugurated the programme and delivered the presidential address. Dr. H. K. Dash, Principal Scientist, deliberated on gender mainstreaming and women empowerment and emphasized the importance of linkage between farmers and scientists for effective transfer of technologies. A training cum demonstration on Oyster Mushroom Cultivation was imparted to the farm women during the occasion by the outreach Team led by Dr. Sabita Mishra.

जय किसान जय विज्ञान

भारत के दो पूर्व प्रधान मंत्रियों, श्री अटल बिहार वाजपेयी और स्वर्गीय श्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस के उपलक्ष में 23-25 दिसम्बर, 2016 को भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 'जय किसान जय विज्ञान' दिवस का आयोजन किया गया। इन समारोहों के एक अंग के रूप में 50 खेतिहर महिलाओं के लिए भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान परिसर में 23 दिसम्बर, 2016 को एक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. सबिता मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक के स्वागत सम्बोधन से हुआ। डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान भुवनेश्वर ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा अध्यक्षीय भाषण दिया। डॉ.एच.के.दाश, प्रधान वैज्ञानिक ने जेंडर मुख्य धारा तथा महिलाओं के सशक्तीकरण पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए किसानों व वैज्ञानिकों के बीच सम्पर्क के महत्व पर बल दिया ताकि प्रौद्योगिकियों का प्रभावी हस्तांतरण हो सके। इस अवसर पर डॉ. सबिता मिश्रा के नेतृत्व में आउटरीच दल द्वारा ओइस्टर खुम्बी की खेती पर एक प्रदर्शन व प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित हुआ।

National Productivity Week

ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA) celebrated "National Productivity Week " during 12-18 February, 2017. The theme for the celebration was 'From Waste to Profits through Reduce, Recycle, Reuse'. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA inaugurated the Celebration. The programme was attended by all the scientific,

राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह समारोह

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में १२-१८ फरवरी, २०१७ के दौरान 'राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह' मनाया गया। इस आयोजन का मुख्य विषय 'न्यूनीकरण, पुनश्चक्रण, पुन:उपयोग के माध्यम से कचरे से लाभ प्राप्त करना था। डॉ.जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प. केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय

technical and administrative staff members of ICAR-CIWA. To mark the occasion, the mass awareness and cleaning campaign was organised on the farm of ICAR-CIWA to collect all farm waste for recycling it through composting. Further, the Radio Talk by Scientists of ICAR-CIWA on different issues faced by the farm women in improving farm productivity was broadcasted by All India Radio throughout the Odisha State. A poster competition for the staff of ICAR-CIWA was also organised on the theme of National Productivity Week celebration. A Scientists-Farmers Interface was also organised on 17 February, 2017. A scientific talk on Agricultural Waste to Profits through Reduce, Recycle, Reuse was delivered by Dr. Gagnesh Sharma, Regional Director, Regional Centre of Organic Farming, Bhubaneswar. The programme was organised by Dr. B. Sahoo (Principal Scientist), Er. Chaitrali Mhatre (Scientist), Dr. Shivaji Argade (Scientist) and Er. Subrat Kumar Das (Technical Assistant).

कृषिरत महिला संस्थान के सभी वैज्ञानिक, तकनीकी व प्रशासनिक स्टाफ के सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर कम्पोस्टीकरण के माध्यम से पुनश्चक्रण हेतु खेतों से निकले सभी कचरे को एकत्रित करने के लिए भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के फार्म पर एक विशाल जागरुकता एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। इसके अलावा भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा फार्म उत्पादकता में सुधार की दिशा में खेतिहर महिलाओं द्वारा जिन विभिन्न मुद्दों का सामना किया जा रहा है, उन पर भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा एक रेडियोवार्ता पूरे ओडिशा राज्य में आकाशवाणी द्वारा प्रसारित की गई, ताकि फार्म उत्पादकता में और सुधार लाया जा सके। राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह के आयोजन के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के स्टाफ के लिए एक पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। दिनांक १७फरवरी, २०१७ को वैज्ञानिक-कृषक परिचर्चा का आयोजन हुआ। डॉ.गगनेश शर्मा, क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय जैविक खेती केन्द्र, भुवनेश्वर ने निम्नीकरण, पुनश्चक्रण, पुनः उपयोग के माध्यम से कृषि कचरे को लाभ में बदलने पर एक वैज्ञानिक वार्ता प्रसुत की। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ.बी.साहू, प्रधान वैज्ञानिक, सुश्री चैत्राली म्हात्रे, वैज्ञानिक, डॉ.शिवाजी अरगड़े, वैज्ञानिक और श्री सुब्रत कुमार दास, तकनीकी सहायक ने किया।

Foundation Day of ICAR-CIWA

ICAR- Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar celebrated its Foundation Day on 17 February, 2017. On this occasion, Hon'ble Secretary (DARE) & Director General (ICAR) Dr. Trilochan Mohapatra was the Chief Guest. Dr. N. S. Rathore, Deputy Director General (Agriculture Education), Dr. A. K. Singh, Deputy Director General (Agriculture Extension), Dr. S. Pasupalak, Vice-Chancellor (OUAT, Bhubaneswar), Dr. T. Janakiram, Assistant Director General (Horticulture), Dr. V. V. Sadamate, Former Member of Planning Commission and Dr. Asha Hans, Gender Expert were the Guests of Honour. Directors and In-charge of local ICAR Institutes and Regional Stations also graced the occasion. The programme was attended by more than 300 farmwomen from 25 adopted villages of ICAR-CIWA and more than 100 delegates from different ICAR Institutes, state departments and media personnel. Dr. Trilochan Mohapatra, Chief Guest accompanied by the Guests of Honour lighted the lamp and inaugurated the function. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA delivered welcome address, briefed about the achievements of the Institute over two decades and highlighted the potential of the Institute first of its kind in India that is exclusively devoted to gender related research for women in agriculture. Dr. Asha Hans highlighted that the unpaid work of farmwomen should be recognised. Dr. V. V.

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान का स्थापना दिवस

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर ने १७ फरवरी, २०१७ को अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर सचिव (डेयर) और महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.) डॉ.त्रिलोचन महापात्र, नई दिल्ली मुख्य अतिथि थे। डॉ.एन.एस.राठौर, उप महानिदेशक (कृषिशिक्षा), डॉ.ए.के.सिंह, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), डॉ.एस.पशुपालक (कुलपति, ओयूएटी, भुवनेश्वर) डॉ.टी.जानकीराम, सहायक महानिदेशक (बागवानी), डॉ.वी.वी.सदामते, पूर्व सदस्य योजना आयोग और डॉ.आशा हंस, जेंडर विशेषज्ञ, सम्मानीय अतिथि थे। भा.कृ.अनु.प. के स्थानीय संस्थानों के निदेशकों तथा क्षेत्रीय केन्द्रों प्रभारियों ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रमें मं भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के द्वारा गोद लिए गए २५ गांवों की ३०० से अधिक खेतिहर महिलाओं, भा.कृ.अनु.प. के विभिन्न संस्थानों से आए १००से अधिक प्रतिनिधियों, राज्य विभागों के प्रतिनिधियों व मीडिया कर्मियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि डॉ.त्रिलोचन महापात्र तथा सम्मानीय अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित करके समारोह का उद्घाटन किया। डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने स्वागत भाषण दिया, दो दशकों से अधिक अवधि के दौरान संस्थान की उपलब्धियों को संक्षेप में प्रस्तुत किया और भारत ने अपने प्रकार के एकमात्र इस संस्थान की क्षमताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यही ऐसा संस्थान है जो कृषिरत महिलाओं के लिए जेंडर से संबंधित अनुसंधान में संलग्न है। डॉ.आशा हंस ने कहा कि खेतिहर महिलाओं को उनके कार्य क लिए कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाता है लेकिन उन्हें इसके लिए

Sadamate stressed upon the extension strategies for gender mainstreaming. Dr. T. Janakiram highlighted the importance of horticulture from nutritional point of view for the farmwomen. Dr. S. Pasupalak mentioned that women are only the present and future of Indian agriculture. Dr. A. K. Singh stressed upon the women empowerment and nutritional security of farm women for wealthy and healthy India. Dr. N. S. Rathore highlighted the importance of women in all social, economical and agricultural spheres. He also delivered Foundation Day lecture on "Engendering Agricultural Research and Education". Dr. Trilochan Mohapatra, Chief Guest started with congratulating the Institute for celebrating its Foundation Day and wished for the bright future of the Institute. He also suggested that the research and technology development should be women centred and it should reach to the grassroot level. The logo of ICAR-CIWA was also launched by the Chief Guest. The newly designed website of ICAR-CIWA was launched by Dr. N. S. Rathore. The ICAR-CIWA publications were also released by the dignitaries. Twenty innovative farm women were awarded with small farm tools and equipments on the occasion. Dr. Sabita Mishra, Principal Scientist and Nodal Officer proposed the vote of thanks.

सम्मानित किया जाना चाहिए। डॉ.वी.वी.सदामते ने जेंडर मुख्यधाराकरण में विस्तार कार्यनीतियों पर प्रकाश डाला। डॉ.टी.जानकीराम ने खेतिहर महिलाओं की पोषणिक सुरक्षा की दृष्टि से बागवानी के महत्व पर बल दिया। डॉ.पशुपालक ने कहा कि महिलाएं ही भारतीय कृषि का वर्तमान और भविष्य हैं। डॉ.ए.के.सिंह ने महिलाओं के सशक्तीकरण, फार्म महिलाओं की पोषणिक सुरक्षा व स्वस्थ भारत जैसे पहलुओं पर बल दिया। डॉ.एन.एस.राठौर ने सभी सामाजिक, कृषि तथा आर्थिक क्षेत्रों में महिलाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने 'कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा में जेंडर संवेदीकरण' विषय पर स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। मुख्य अतिथि डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने आरंभ में स्थापना दिवस मनाने के लिए संस्थान को बधाई दी और इसके उज्जवल भविष्य की कामना भी की। उन्होंने सुझाव दिया कि अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास महिला केन्द्रिय होना चाहिए तथा इसे ग्रासरुट स्तर तक पहुंचना चाहिए। मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर भा.कृ.अनु.प. केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान का प्रतीक चिन्ह भी जारी किया। डॉ.एन.एस.राठौर ने भा.कृ.अनु.प. केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान की नई डिजाइन की गई वेबसाइट का शुभारंभ किया। मंच पर उपस्थित महानुभावों ने भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के प्रकाशनों का भी विमोचन किया। इस अवसर पर २० नवोन्मेषी खेतिहर महिलाओं को खेती संबंधी औजार एवं उपकरण उपहार स्वरूप प्रदान किए गए। डॉ.सबिता मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

National Science Day

ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar celebrated 'The National Science Day' on 28 February, 2017. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director ICAR-CIWA, was the Chief Guest and Smt. Reeta Jena, Founder, CATCH, Bhuaneswar was the guest of honour during the function. During her address, the Director ICAR-CIWA, emphasized on the importance of science used in the daily life of the people and how science has made life easier for us.

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर मेंर २८ फरवरी, २०१७ को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। डॉ.जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, मुख्य अतिथि थीं और श्रीमती रीता जेना, संस्थापक, सीएटीसीएच, भुवनेश्वर सम्मानीय अतिथि थीं। अपने सम्बोधन में निदेशक, भा.कृ.अनु.प. केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने लोगों के दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व तथा इस तथ्य पर बल दिया कि विज्ञान ने हमारा जीवन किस प्रकार सरल बना दिया है। सम्मानीय अतिथि श्रीमती रीता

Smt. Reeta Jena, guest of honour delivered the science day lecture on the theme "Science and Technology for The Specially Abled Persons". During her presentation, She stressed about 'barrier free structures' to enable the specially abled persons to access different amenities and facilities in everyday life. The programme was co-ordinated by Dr. A.K Panda (nodal officer), Dr. Tanuja, Dr. Binita Behera and Mr. Subrat Kumar Das.

International Women's Day

ICAR- Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar celebrated International Women's Day on 8 March, 2017. On this occasion, Ms. Namrata Chadha, renowned social activist and former member State Commission for Women, Odisha was the Chief Guest. Smt. Sujata Barik, IMC member, Smt. Pratima Mishra, IMC member, Dr. Meena Senapati, and Mrs. Supreety Mishra, both Women Entrepreneurs were the Guests of Honour. The programme was attended by farm women from adopted villages of ICAR-CIWA and Staff of ICAR- CIWA and media personnel. Ms. Namrata Chadha, Chief Guest started with congratulating the Institute for celebrating International Women's day and explained the underlying meaning of the theme "be bold for change" emphasising that if a positive change in the condition of women has to happen, then women should be bold enough to putforth their ideas and views to embrace the opportunities of the life. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director ICAR-CIWA, delivered the presidential talk, summarizing the journey of women through the history, their oppression, uprising and ultimately their fight for equality. She also illuminated the way ahead for women's empowerment and inclusion of the male counterpart in the effort for same. Dr. Meena Senapati and Ms Supreety Mishra shared their experiences of becoming a entrepreneur. Launching of knowledge services through mobile voice messages and Sampad news paper for women farmers by Reliance Foundation was done by the Director, ICAR - CIWA. The successful organization of the International Women's Day celebration was done by the following committee members, Dr. Tanuja, S., Nodal Officer, Dr. Jyoti Nayak, Co-nodal officer, Er. Chaitrali Mhatre, Member and Dr. Sujit Kumar Nayak, Member.

जेना ने 'दिव्यांग लोगों के लिए विज्ञान और प्राद्योगिकी' विषय पर विज्ञान दिवस व्याख्यान दिया। अपने प्रस्तुतीकरण में उन्होंने दैनिक जीवन की विभिन्न सुविधाओंके प्राप्त करने में विशेष रूप से दिव्यांगों को सक्षम बनाने के लिए 'बाधा मुक्त संरचनाओं' पर बल दिया। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ.ए.के.पांडा (नोडल अधिकारी), डॉ.तनुजा, डॉ.विनीता बेहरा और श्री सुब्रत कुमार दास ने किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में ८ मार्च, २०१७ को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता तथा महिला राज्य आयोग, ओडिशा की पूर्व सदस्य सुश्री नम्रता चड्ढा मुख्य अतिथि थीं। श्रीमती सुजाता बारिक, आईएमसी सदस्य, श्रीमती प्रतिमा मिश्रा, आईएमसी सदस्य, डॉ.मीना सेनापति और श्रीमती सुप्रीति मिश्रा (महिला उद्‍यमी) सम्मनीय अतिथि थीं। इस कार्यक्रम में भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान के गोद लिए गए गांवों की खेतिहर महिलाओं तथा संस्थान के स्टाफ सदस्यों व मीडियाकर्मियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि सुश्री नम्रता चड्ढा ने सर्वप्रथम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित करने के लिए संस्थान को बधाई दी तथा 'परिवर्तन के लिए तैयार रहना' उद्‍देश्य का अंतरनिहित अर्थ समझाते हुए इस तथ्य पर बल दिया कि महिलाओं की दशा में सकारात्मक परिवर्तन होना आवश्यक है, तभी महिलाएं अपने विचारों को आगे रखने तथा जीवन में नई ऊंचाइयों को छुने का साहस जुटाने में समर्थ होंगी। डॉ. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प. केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए इतिहास के माध्यम से महिलाओं की जीवन यात्रा के दौरान समानता के प्रति संघर्ष के लिए निरंतर रहते हुए देखा गया है। इस प्रकार उन्होंने बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त है तथा इस कार्य में उनके पुरूष साथियों को सम्मिलित किए जाने के समान प्रयास किए जाने चाहिए। डॉ. मीना सेनापति तथा सुश्री सुप्रीति मिश्रा ने अपने उद्‍यमी बनने के अनुभवों के बारे में बताया। मोबाइल वॉइस मैसेज के माध्यम से ज्ञान सेवा का शुभारंभ करते हुए निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने रिलायंस फाउंडेशन द्वारा शुरु किए गए कृषक महिलाओं के लिए निहित समाचार पत्र सम्पद का विमोचन किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का यह सफल आयोजन निम्न सदस्यों की समिति के प्रयासों से संभव हुआ डॉ.तनुजा, एस., नोडल अधिकारी डा. ज्योति नायक, सह नोडल अधिकारी, इंजी. चैत्राली म्हात्रे, सदस्य और डॉ.सुजीत कुमार नायक, सदस्य।

EXTENSION ACTIVITIES/TRAININGS/ WORKSHOPS/ INTERFACE MEETINGS CONDUCTED

आयोजित विस्तार गतिविधियां/प्रशिक्षण/ कार्यशालाएं/परिचर्चा/बैठकें

Mushroom Demonstration for Farm Women

The multidisciplinary team of ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar organised "Mushroom Demonstration" for farmwomen from five (Kadua, Talapatna, Chanagouda, Bila Sahi and Behera Sahi) adopted villages under "Mera Gaon Mera Gaurav" programme. The demonstration was attended by 70 farmwomen. A training-cum-demonstration on Oyster Mushroom cultivation was imparted to the farmwomen by outreach team led by Dr. Sabita Mishra. The oyster mushroom spawn, vegetable seeds and seedlings of lemon, banana, drumstick & papaya were also distributed to the farmwomen. The programme was attended by Dr. S. K. Srivastava, Dr. Jyoti Nayak, Dr. S. Tanuja, Dr. Shivaji Argade, Mrs. Geeta Saha, Mr. Atul Chetan Hemrom and Er. Subrat Kumar Das.

खेतिहर महिलाओं के लिए खुम्बी प्रदर्शनी

दिनांक 10 जनवरी, 2017 भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर के एक बहुविषयी दल ने संस्थान द्वारा 'मेरा गांव मेरा गौरव' कार्यक्रम के अंतर्गत गोद लिए गए पांच गांवों (कदुआ, तालापतना, चानागौडा, बिला साही और बेहरा साही) की खेतिहर महिलाओं के लिए 'खुम्बी प्रदर्शनी' आयोजित की। इस प्रदर्शनी में 70 खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया। डॉ.सबिता मिश्रा के नेतृत्व में आउटरीच दल द्वारा खेतिहर महिलाओं के लिए ओयस्टर खुम्बी की खेती पर एक प्रशिक्षण व प्रदर्शन कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। खेतिहर महिलाओं को ओयस्टर खुम्बी के बीज, सब्जियों के बीज तथा नींबु, केला, सहजन और पपीता की कलमें वितरित की गईं। इस कार्यक्रम में डॉ.एस.के.श्रीवास्तव, डॉ.ज्योति नायक, डॉ.एस.तनुजा, डॉ.शिवाजी अरगडे, श्रीमती गीता साहा, श्री अतुल चेतन हेमरम और इंजी. सुब्रत कुमार दास ने भाग लिया।

Training on Manufacture of Jute Handicrafts

A six-days training program on 'Manufacture of Jute Handicrafts' was conducted in collaboration with ICAR-NIRJAFT, Kolkata from 17 – 22 October, 2016 at ICAR – CIWA, Bhubaneswar. Fifteen women attended this program and were trained to make bags, dolls, wall hangings, mats etc. This program was coordinated by Dr. Sabita Mishra, Principal Scientist, Dr. Jyoti Nayak, Senior Scientist, ICAR – CIWA, Bhubaneswar and Dr. Laxmikanta Nayak, Senior Scientist, ICAR-NIRJAFT, Kolkata.

पटसन हस्तशिल्प विनिर्माण पर प्रशिक्षण

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 17-22 अक्तूबर, 2016 को भा.कृ.अनु.प. एनआईआरजेएएफटी, कोलकाता के सहयोग से 'पटसन हस्तशिल्प विनिर्माण' पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पन्द्रह महिलाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया तथा उन्हें थैले, गुडिया, वाल हैंगिंग, चटाइयां आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ.सबिता मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक व डॉ.ज्योति नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर तथा डॉ.लक्ष्मीकांता नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-एनआईआरजेएएफटी, कोलकाता ने किया।

Animal Health Camp

An animal Health Camp was conducted at Chamrapada Village, Cuttack Sadar Block on 9 December, 2017. About seventy farmers participated in the farmers meet and more than 100

पशु स्वास्थ्य शिबिर

दिनांक 9 दिसम्बर, 2017 को चामरापाडा गांव, कटक सदर ब्लॉक में एक पशु स्वास्थ्य शिबिर आयोजित किया गया। इस शिबिर में लगभग 70 किसानों ने भाग लिया और 100

animals were treated in the health camp. Medicines for animals were also distributed. The programme was coordinated by Dr.Anil Kumar, Dr. B Sahoo and Dr S.K.Nayak

Scientists- Farm Families Interfaces under Tribal Sub Plan Programmes

A "Scientists-Tribal Farm Families Interface" and capacity building programme on sunflower as intercrops for additional income generation was organized at Village K.M. Bhaliasahi in R. Udayagiri block of Gajapati district on 12 January, 2017. On this occasion, hybrid sunflower seeds were also distributed to the beneficiaries. About 60 tribal farm families participated in the programme.

A "Scientists-Tribal Farm Families Interface" and Nutrition education programme was organized at Village Tarajodi in Shamakhunta block of Mayurbhanj district on 25 January, 2017. On this occasion, french bean seeds were also distributed to the beneficiaries. About 50 tribal farm families participated in the programme.

A "Scientists-Tribal Farm Families Interface and Awareness Programme on Commercial Horticulture'" programme was organized at Village Tarajodi in Shamakhunta block of Mayurbhanj district on 18 February, 2017. Awareness was created on commercial horticulture and the need to shift towards commercial fruits and vegetables based on the market demands for additional income generation. On this occasion, hybrid seeds of water melon and bhendi were also distributed to the beneficiaries. Drudgery reducing farm tools were also distributed on this occasion. About 50 tribal farm families participated in the programme

से अधिक पशुओं का स्वास्थ्य शिबिर में उपचार किया गया। पशुओं के लिए औषधियां भी बांटी गईं। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ.अनिल कुमार, डॉ.बी.साहू और डॉ.एस.के.नायक ने किया।

आदिवासी उप योजना कार्यक्रमो के अंतर्गत वैज्ञानिकों-किसान परिवारों के बीच परिचर्चा

गजपति जिले के आर. उदयगिरी ब्लॉक के के.एम. भलियासाही गांव में 12 जनवरी 2017 को 'वैज्ञानिक-आदिवासी कृषक परिवार परिचर्चा' तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अतिरिक्त आय सृजन के लिए सूरजमुखी की अंतर फसल उगाने पर था। इस अवसर पर लाभार्थियों को सूरजमुखी का संकर बीज भी वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 60 आदिवासी किसान परिवारों ने भाग लिया।

मयूरभंज जिले के शामाखुंटा ब्लॉक के ताराजोडी गांव में 25 जनवरी, 2017 को 'वैज्ञानिक-आदिवासी कृषक परिवार परिचर्चा' तथा पोषणिक सुरक्षा पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लाभार्थियों को राजमा के बीज वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में लगभग 50 आदिवासी किसान परिवारों ने भाग लिया।

मयूरभंज जिले के शामाखुंटा ब्लॉक के ताराजोडी गांव में 18 फरवरी,2017 को 'वाणिज्यिक बागवानी पर वैज्ञानिक-आदिवासी कृषक परिवारों के बीच परिचर्चा व जागरुकता कार्यक्रम' आयोजित किया गया। वाणिज्यिक बागवानी तथा वाणिज्यिक फलों व सब्जियों की बाजार मांग पर आधारित खेती करने की आवश्यकता पर बल दिया गया ताकि अतिरिक्त आमदानी सृजित हो सके। इस अवसर पर लाभार्थियों को तरबूज और भिण्डी के संकर बीज ही वितरित किए गए। इसके साथ ही इस मौके पर श्रम में कमी लाने वाले फार्म औजार व यंत्र भी बांटे गए। लगभग 50 आदिवासी कृषक परिवारों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

APPOINTMENTS/ TRANSFERS/ PROMOTIONS

- Dr. B. N. Sadangi, Emeritus Scientist (Agril. Extension) joined at ICAR-CIWA, Bhubaneswar on 1 February, 2017.
- Dr. Abha Singh, Senior Scientist (Food and Nutrition) was transferred from ICAR-CIWA, Bhubaneswar to ICAR-CISH, Lucknow on 9 March, 2017.
- Dr. Naresh Babu, Principal Scientist (Horticulture) was transferred from ICAR-CIWA, Bhubaneswar to ICAR-CISH, Lucknow on 24 March, 2017.
- Dr. H. K. Dash, Principal Scientist (Agril. Economics) was transferred from ICAR-CIWA, Bhubaneswar to ICAR-IIWM, Bhubaneswar on 31 March, 2017.

नियुक्तियां/स्थानांतरण/पदोन्नति

- डॉ. बी.एन.सदांगी, एमेरिटस वैज्ञानिक (कृषि विस्तार) ने 1 फरवरी, 2017 को भा.कृ.अनु.प केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में कार्यभार ग्रहण किया।
- डॉ.आभा सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक (खाद्य एवं पोषण) 9मार्च, 2017 का भा.कृ.अन.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर से भा.कृ.अनु.प.-सीआईएसएच, लखनऊ में स्थानांतरण हुआ।
- डॉ. नरेश बाबू, प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी) का 24मार्च, 2017 का भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर से भा.कृ.अनु.प.-सीआईएसएच, लखनऊ में स्थानांतरण हुआ।
- डॉ. एच.के.दाश, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि अर्थशास्त्र) का 31मार्च, 2017का भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर से भा.कृ.अनु.प.-आईआईडब्ल्यूएम, भुवनेश्वर में स्थानांतरण हुआ।

Training/ Seminar/ Symposium attended

S. No.	Name of Programme (Training/Workshop/ Seminar etc.) attended	Organized By (Name of Institute)	Date of Programme	Participant (Name)
1	Workshop on Gender Responsive Budgeting	National Institute of Financial Management, Faridabad at ICAR-CIWA	5-6 October, 2016	All the Staff of ICAR-CIWA
2	Training on 'Women Leadership for Impact Course'	IRRI, Philippines at ICAR-CIWA	21-27 October, 2016	Dr. Jatinder Kishtwaria Dr. Sabita Mishra Dr. Jyoti Nayak Dr. Binita Behera
3	Workshop on Trends in Gender Research	ICAR-CIWA	15-16 November, 2016 and 26 - 27 November, 2016	All the Scientists of ICAR-CIWA
4	ICAR Sponsored Short Course on "Empowering Farm Women Through Livestock and Poultry Interventions"	ICAR-CIWA	November 21-30, 2016	Dr. Shivaji Argade Er. Chaitrali Mhatre
5	National Seminar on "Aquaculture diversification: the way towards blue revolution"	ICAR-CIFA, Bhubaneswar	1-3 December, 2016	Dr. Tanuja, S.
6	Workshop on Reaching Farmwomen through Media	ICAR-CIWA	4 January, 2017	All the scientists of ICAR-CIWA
7	Stakeholders' Meeting	NABARD, Bhubaneswar	13 January, 2017	Dr. J. Charles Jeeva
8	Competency Enhancement Programme for Effective Implementation of Training Functions by HRD Nodal Officers of ICAR	HRM Unit, ICAR and ICAR-NAARM, Hyderabad	23-25 February, 2017	Dr. J. Charles Jeeva
9	Sanyukta Raj Bhasha Vaigyanik Sanghosti on 'Aarthik Swavlamban mein Vaigyanik avam Takniki Sansthano ki Bhoomika'	Institute of Physics, Bhubaneswar	27 February, 2017	Dr. Sabita Mishra Dr. Tanuja, S. Ms. Gayatri Moharana Dr. Ananta Sarkar
10	National Seminar on "Priorities in Fisheries and Aquaculture"	College of Fisheries, Rangeilunda	11-12 March, 2017	Dr. Tanuja, S.
11	Workshop on 'Promoting Agricultural Education among Rural Women for Entrepreneurship Development'	ICAR-CIWA, Bhubaneswar	18 March, 2017	Dr. Sabita Mishra Dr. H. K. Dash Dr. J. C. Jeeva Dr. Ananta Sarkar Dr. Shivaji Argade

Human Resource Development

A. Physical Targets and Achievements (2016-17)

S. No.	Category	Total No. of Employees	No. of trainings planned for 2016-17 as per ATP	No. of employees undergone training during April-Sept 2016	No. of employees undergone training during Oct 2016 to March 2017	Total no. of employees undergone training during April 2016 to March 2017	% realization of trainings planned during 2016-17
1	2	3	4	5	6	Col. 5 + 6 =7	Col. 7*100/Col. 4 = 8
1	Scientist	16	10	2	7	9	90
2	Technical	12	8	1	4	5	62.5
3	Administrative & Finance	6	3	0	2	2	66.67
4	SSS	1	0	0	0	0	0
Total		35	21	3	13	16	76.19

B. Financial Targets and Achievements (All employees)

S. No.	RE 2016-17 for HRD			Actual Expenditure up to 31st March, 2017 for HRD			% Utilization of RE
	Plan (Lakh Rs.)	Non-plan (Lakh Rs.)	Total (Lakh Rs.)	Plan (Lakh Rs.)	Non-plan (Lakh Rs.)	Total (Lakh Rs.)	2016-17
1	2	3	2+3=4	5	6	Col. 5+6=7	Col. 7*100/ Col.4=8
1	1.50	0	1.50	1.43	0	1.43	95.33

Meetings / Programmes Attended By Director ICAR- CIWA, Bhubaneswar

Date	Place	Purpose of Visit
20-21 September, 2016	Parabani	Attended the State Level Workshop for KVK Programme Coordinators
13 -14 October, 2016	New Delhi	Official meeting with Subject Matter Division (SMD)
7 November, 2016	New Delhi	Attended an inter-divisional meeting with SMD
9 November, 2016	Patna	Attended final viva-voce examination at Rajendra Prasad Agricultural University
19 December, 2016	New Delhi	Attended meeting with Prasar Bharati and discussion at SMD
20 December, 2016	New Delhi	Attended the Jury Convention-Phase II for MSIAA
28 -29 December, 2016	Kharagpur	Attended the International Conference on emerging technologies in Agricultural and Food Engineering
30 January, 2017	New Delhi	Attended Assessment Committee Meeting for CAS
2 February, 2017	New Delhi	Attended Mahindra Samriddhi India Agri-Awards 2017
10-11 February, 2017	Jorhat	Attended "Biennial Workshop" of AICRP on Home Science at Assam Agricultural University
14 February, 2017	New Delhi	Attended the ICAR-AICRP Review Committee Meeting
14-15 February, 2017	New Delhi	Participation in the Annual VCs Conference of AUs and Director's of ICAR Institute
22-23 February, 2017	Chandigarh	Meeting & site visit with Executive Director, Punjab State Council for Science & Technology for collaborative prospects of value chain based entrepreneurship development
27 February, 2017	New Delhi	Meeting on discussion of draft EFC for 2017-20 with SMD

Editors : Dr. J. Charles Jeeva
: Dr. S. Tanuja
: Dr. Shivaji Argade

Published by : Dr. Jatinder Kishtwaria, Director
ICAR- Central Institute for Women in Agriculture
Bhubaneswar, Odisha- 751 003 (India)
Phone No.: (0674)-2386940, 2386241
Fax No.: (0674) 2386242

Email : director.ciwa@icar.gov.in
Website : http://www.icar-ciwa.org.in

सम्पादक : डॉ. जे. चार्ल्स जीवा
: डा. एस.तनुजा
: डा. शिवाजी अरगडे

प्रकाशन : डा. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक
भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान,
डाकघर–बरमुण्डा, भुवनेश्वर – 751 003, ओडिशा
दूरभाष : 0674-2386940, 2386241
फैक्स : 0674-2386242

ई-मेल : director.ciwa@icar.gov.in
वेबसाइट : http://www.icar-ciwa.org.in